**Fourteenth Loksabha**

**Session : 9**
**Date : 24-11-2006**
**Participants : Rawat Prof. Rasa Singh,Suman Shri Ramji Lal,Bhargav Shri Girdhari Lal,Handique Shri Bijoy Krishna**

an>

Title : Reported demolition of a temple in Kazakistan.

**श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद):** सभापति महोदया, भारतीय मूल के लोग दुनिया के तमाम हिस्सों में रहते हैं। लोगों की पूजा की पद्धतियां अलग हो सकती है, आस्था के केंद्र अलग हो सकते हैं लेकिन सब लोगों को अपनी आस्था और धार्मिक पद्धति के अनुकूल आचरण करने का अधिकार है। समाचार पत्रों और तमाम टी.वी. चैनलों में आया है कि कजाकिस्तान के करसई जिले में हिंदुओं के मंदिरों को तोड़ा गया और हिंदुओं के निवास स्थानों को क्षति पहुंचाई गई। यह बहुत गंभीर मामला है। सबसे अधिक दुःख की बात है कि भारत सरकार ने वहां के राजदूत को बुलाकर विरोध दर्ज नहीं किया और न सरकार के स्तर पर बातचीत की। ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने जरूर इस बात पर एतराज किया लेकिन भारत सरकार को जो विरोध दर्ज करना चाहिए था वहभारत सरकार ने नहीं कराया। भारतीय मूल के लोग दुनिया के तमाम हिस्सों में रहते हैं और इससे लोगों में अविश्वास कावाता वरण पैदा होगा और उनकी आस्था डगमगाएगी। हमारा आरोप है कि इतना गंभीर मामला होने के बादसरकारी स्तर पर भारत सरकार ने वहां के राजदूत को बुलाकर विरोध दर्ज नहीं कराया। हम चाहते हैं कि भारत सरकार इसमामले पर ब्यान दे जिससे लोगों में विश्वास का संचार हो।

**प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर):** मैं इसके साथ अपने को संबद्ध करता हूं।

**श्री गिरधारी लाल भार्गव (जयपुर):** मैं इसके साथ अपने को संबद्ध करता हूं।

**श्री बृज किशोर त्रिपाठी (पुरी):** यहां सरकार का कोई मंत्री नहीं है। यह गंभीर मामला है।...(व्यवधान)

**सभापति महोदया** : मंत्री जी यहीं हैं, वे बाहर पानी पीने गए हैं।

...(व्यवधान)

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY :Madam, no Minister is present in the Treasury Benches. Somebody should at least be present… (*Interruptions*)

**सभापति महोदया:**अभी आपने देखा कि हांडिक जी यहां बैठे थे। क्या आप किसी को पानी पीने की इजाजत भी नहीं देंगे?

**प्रो. रासा सिंह रावत :** यहां कोई व्यवस्था तो होनी चाहिए।

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY : Madam, what is the meaning of `Zero Hour'?

**सभापति महोदया :** हमने आपकी बात मान ली है। वे पानी पीने गए हैं और अभी वापिस आ रहे हैं।

...(व्यवधान)

**श्री रामजीलाल सुमन :** सरकार को वहां के राजदूत को बुलाकर अपना विरोध दर्ज कराती। सरकार ने अपने स्तर पर विरोध दर्ज कराया है या नहीं? सरकार ने इस सिलसिले में अपने दायित्व को पूरा नहीं किया। ...(व्यवधान)

**श्री किशन सिंह सांगवान (सोनीपत) :** यह बहुत सीरियस बात है कि सरकार का कोई मंत्री यहां नहीं है। वे अपने कमरे में हैं।

**प्रो. रासा सिंह रावत :** उन्हें इस वक्त हाउस में होना चाहिए था।

SHRI KISHAN SINGH SANGWAN : Madam, the Government is not serious about the proceedings of the House… (*Interruptions*)

**सभापति महोदया:** आप बोलना चाहते हैं या हाउस स्थगित किया जाए।

...(व्यवधान)

**श्री किशन सिंह सांगवान :** सभापति महोदया, हम यहां बोलने के लिए ही बैठे हैं।

**सभापति महोदया:** रामजी लाल सुमन जी, वे अभी आ रहे हैं।वे पानी पीने गए हैं, उन्हें मैसेज चला गया है और वे अभी आ रहे हैं। आप अपनी बात शुरू करें वे अभी आ जाएंगे।

...(व्यवधान)

**श्री किशन सिंह सांगवान :** मैं आपके माध्यम से बहुत ही गंभीर विाय सरकार के नोटिस में लाना चाहता हूं।...(व्यवधान)

PROF. RASA SINGH RAWAT : Madam, this is very unfortunate.

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY : Madam, you should give direction from the Chair.… (*Interruptions*) [r66]

**प्रो. रासा सिंह रावत :**मैडम, आपको सरकार को भी कहना चाहिए कि ऐसा नहीं होना चाहिए। ...(व्यवधान)

**श्री बृज किशोर त्रिपाठी :**यदि मंत्री जी पानी पीने गये हैं तो उन्हें एक-दो मिनट में वापस आना चाहिए।...(व्यवधान)

**श्री रामजीलाल सुमन :** मैडम, मेरा आपके माध्यम से सरकार के विनम्र आग्रह है कि मैंने जो मामला उठाया है वह करोड़ों, अरबों लोगों की भावनाओं से जुड़ा हुआ सवाल है। संसदीय कार्य मंत्री जीकजाखिस्तान में हिन्दुओं के मंदिरों को तोड़ा गया। ब्रिटेन के प्रधान मंत्री, श्री टोनी ब्लेयर ने इस पर ऐतराज जाहिर किया और कहा कि इससे हिन्दुओं में असुरक्षा और अविश्वास की भावना पैदा हुई है। सरकार ने न तो वहां के राजदूत को बुलाकर अपना विरोध दर्ज किया और न सरकार के स्तर पर आपने कोई बातचीत की। यह एक बहुत गम्भीर मामला है। सरकार बताये कि वह इस मामले में क्या कर रही है।

**सभापति महोदया** : सुमन जी, आप बोल चुके हैं।

**श्री रामजीलाल सुमन :** मैं बोल चुका हूं, लेकिन सरकार इस पर अपनी प्रतिक्रिया दे।

SHRI B.K. HANDIQUE: Madam, I am sorry that I had to go out. As there was an emergency, I had to go out. Whatever has been said by the hon. Members has been noted down. Madam, everything has been noted down. Since the matter mentioned by the hon. Member is a serious one, I will definitely draw the attention of the hon. Minister for External Affairs.